आरती श्री पार्वती जी की

जय पार्वती माताजय पार्वती माता ।
ब्रह्म सनातन देवी शुभ फल की दाता ।।
अरिकुल पद्म विनासिनी सेवक जन त्राता ।
जग जीवन जगदम्बा मां तब गुण गाता ।।
अनुपम वाहन साजे मुकुट धरे माथा ।
देव सकल जय गावत शास्त्र कहें गाथा ।।
सतयुग रूपशील अतिसुन्दर जाना नामसती ।
हिमगिरि के घर पूजे सादर शम्भु यती ।।
शुम्भ निशुम्भ बिदारे जग प्रसिद्ध गाथा ।
सहस्त्र भुजा तनु धरि के चक्र लियो हाथा ।।
सृष्टि रूप तुम्हीं हो शिवअंगी माता ।
भक्त तुम्हारे अनगिन नित प्रति गुण गाता ।।
देवी तपस्विन तुम सम नहिं कोई नर नारी ।
अपने भक्तों की तुम सदा विपद हारी ।।

विवरण

हे माँ पार्वती आप परम्परा से ही ब्रह्म की देवी रहीं हैं तथा हमारे कर्मों के अनुसार अच्छा या बुरा फल भी देती हैं । आप पार्वती माता की जय हो । आपके भक्तों पर जब भी कोई संकट आता है, आप उनका नाश करती हैं । हे माँ जगदम्बे! आप पूरे संसार को जीवन का दान देने वाली हैं तथा पूरा संसार
आपके महिमा का गुणगान करता है ।

आपके वाहन की साज - सज्जा अपरिमित है तथा आपके माथे पर मुकुट भी अत्यन्त शोभित हो रहा है । शास्त्रों में आप ही के गुणों की गाथा लिखी गई है तथा सभी देवता आप ही के गुणों को गाते हैं । सतयुग में आपका रूप बड़ा ही सुन्दर बना तथा सती के नाम से जानी

गईं । हिमगिरि के घर (जहां आपका जन्म हुआ) आप शंकर जी के साथ आदर के साथ पूजी गईं ।

शुम्भ एवं निशुम्भ नामक राक्षसों का आपने वध किया, जिससे आप सम्पूर्ण जग में विख्यात हो गईं तथा आपकी ख्याति की गाथा लोग गाने लगे । आपका शरीर दस सौ भुजाओं वाला है, तथा हाथ में चक्र धारण किया हुआ है ।

आप भगवान शिव की अर्द्धांगिनी भी हो तथा इस जग के उत्पति के रूप में भी
आप ही हैं । आपके भक्तों की कोई गिनती नहीं है तथा वे हमेशा आपकी महिमा की बखान करते रहते हैं । आप तपस्विनी भी हो, आपके समान इस दुनिया में कोई स्त्री या पुरुष नहीं हैं । आप अपने भक्तों की विपत्ति को सदा दूर करने वाली हो ।

visit www.astrogyan.com for more aarthi's, free indian astrology horoscope charts & predictions.
all information © since 2000, Aks Infotech Pvt. Ltd., portal designed & developed by Pintograph Pvt. Ltd.